



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 12 अगस्त, 1985/21 अश्विन, 1907

हिमाचल प्रदेश सरकार

राजस्व विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 22 जुलाई, 1985

संख्या राज० ए० (3)-3/79-II.—चूंकि प्रारूपित हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ (संशोधन) नियम, 1985, हिमाचल प्रदेश राजपत्र (साधारण) दिनांक 4 मई, 1985 में इस विभाग की सम संख्यक अधिसूचना, दिनांक 9 अप्रैल, 1985 द्वारा, उन से सम्भाव्य प्रभावित व्यक्तियों से आपत्तियां और सुझाव मंगवाने के लिए प्रकाशित किए गए थे, जैसा कि हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ अधिनियम, 1977 (1978 का 29) की धारा 23(1) के अधीन अपेक्षित है।

और निर्धारित अवधि के भीतर कोई भी आपत्तियां या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः अब, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ अधिनियम, 1977 (1978 का 29) की धारा 23(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ नियम, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ (संशोधन) नियम, 1985

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ (संशोधन) नियम, 1985 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. नए नियम 15-क का अन्तःस्थान.—हिमाचल प्रदेश भूदान यज्ञ नियम, 1981 के नियम 15 के पश्चात् निम्नलिखित नया नियम 15-क अन्तःस्थापित किया जायेगा ।

“15-क बोर्ड के सचिव तथा अन्य सेवकों की नियुक्ति.—(1) बोर्ड का यह समाधान हो जाने पर कि बोर्ड के दक्षकार्यकरण के हित में ऐसा करना आवश्यक है, और यदि बोर्ड ने इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से बुलाए गए अपने अधिवेशन में ऐसी नियुक्तियां करने का संकल्प पारित कर दिया तो अध्यक्ष, सचिव और/या अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकेगा ।

परन्तु इन नियमों के लागू होने से पहले की गई किसी व्यक्ति की नियुक्ति पर उपरोक्त नियम का कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा और ऐसी प्रत्येक नियुक्ति इस नियम के अनुसार की गई मानी जायेगी ।

(2) यदि ऐसा करना आवश्यक हो तो अध्यक्ष उप-नियम (1) के अधीन नियुक्त किसी व्यक्ति को उसी रीति से बोर्ड की सेवा से हटा सकेगा :

परन्तु अध्यक्ष किसी व्यक्ति को बोर्ड की सेवा से नहीं हटाएगा जब तक कि उसे सुनवाई का पर्याप्त अवसर नहीं दिया गया है ।

[Authoritative english text of notification No. 2A(3)-3/79-II dated 22-7-85 as required under Article 348(3) of the Constitution of India.]

Shimla-2, the 22nd July, 1985

No. 2A(3)-3/79.—Whereas the draft Himachal Pradesh Bhoodan Yajna (Amendment) Rules, 1985 were published in the Himachal Pradesh Rajpatra (Ordinary) dated 4-5-85 vide notification of even number, dated the 9th April, 1985 for inviting objections and suggestions from the persons likely to be affected thereby, as required under section 23(1) of the H. P. Bhoodan Yajna Act, 1977 (29 of 1978);

And, whereas no objection or suggestion has been received within the stipulated period;

Now therefore, the Governor, Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred by section 23(1) of the Bhoodan Yajna Act, 1977 (29 of 1978), is pleased to make the following amendment in the Himachal Bhoodan Yajna Rules, 1981.

THE HIMACHAL PRADESH BHOODAN YAJNA (AMENDMENT) RULES

1. *Short title and commencement*—(1). These rules may be called the Himachal Pradesh Bhoodan Yajna (Amendment) Rules, 1985.

(2) These shall come into force at once.

2. *Insertion of a new rule 15-A.*—After rule 15 of the Himachal Pradesh Bhoodan Yajna Rules, 1981, the following new rule 15-A shall be inserted, namely:—

“15-A *Appointment of Secretary and other servants of the Board.*—(1) The Chairman may appoint a Secretary and/or other servants of the Board after the Board is satisfied that it is necessary so to do in the interest of efficient working of the Board and has in its meeting to be specially called for the purpose, resolved to make such appointment(s):

Provided that nothing in this sub-rule shall affect the appointment of any person made before the commencement of this rules and every such appointment shall be deemed to have been made in accordance with this rule.

(2) The Chairman may, if it becomes necessary so to do, to remove any person appointed under sub-rule (1) in the like manner, from the service of the Board :

Provided that no person shall be removed by the Chairman from the service of the Board without giving him adequate opportunity of being heard."

By order,
ATTAR SINGH,
Secretary.

कार्यालय जिलाधीश, बिलासपुर, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

अधिसूचना

बिलासपुर, 1 अगस्त, 1985

संख्या बी०एल०पी००-६-२/६८-सी०-४९६-५०८.—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या बी०एल०पी००-६-२/६८-सी०-४९६-५०८, दिनांक ७-६-१९८५ के अनुक्रम में हिमाचल प्रदेश सरकार की अधिसूचना संख्या ३६-६४/७२-पंच दिनांक २-५-१९७२ द्वारा प्रत्यायुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम १९७७ की धारा ३-९ (१) तथा हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत (संशोधन) नियम, १९७८ के नियम २-१९ के अनुरूप में जिलाधीश, जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश इस जिले की निम्नलिखित ग्राम पंचायतों की कार्यकारिणी (ग्राम पंचायतों) की सदस्यों की संख्या निम्न सारणी के कोष्ठ नं० ३ के अनुसार निर्धारित करता हूँ.—

ग्राम पंचायत का नाम 1	प्रधान, उप-प्रधान सहित 2
विक्रम खण्ड: सदर	
1. नम्होल	7
2. पंजैल खर्द	7
3. सकरोआ	7

हस्ताक्षरित
जिलाधीश बिलासपुर,
जिला बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू
अधिसूचना

कुल्लू, २ अगस्त, १९८५

संख्या पी०सी०एच०(कु०)-क(१)-१६/८३.—हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, १९६८ (१९७० का १९वां अधिनियम) की धारा ९ की उप-धारा (१), हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियम, १९७१ के नियम १९ के प्रावधान तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज की विनियम संख्या ३६-१५/७४-पंच, दिनांक १-८-७५ के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, बी०के० भटनागर, आई० ए० एस०, उपायुक्त, कुल्लू, जिला कुल्लू निम्न ग्राम सभाओं की कार्यसमिति जो ग्राम पंचायत कहलायेगी के निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या जिनमें प्रधान, उप-प्रधान भी सम्मिलित हैं, निम्न प्रकार

से निर्धारित करता हूँ, जिसमें एक स्थान हर ग्राम सभा में अनुसूचित जाति के सदस्य के लिये सुरक्षित रखा जायेगा: —

क्रमिक	ग्राम सभा का नाम	जनसंख्या	ग्राम पंचायत के लिये निर्वाचित होने वाले सदस्यों की निर्धारित संख्या प्रधान तथा उप-प्रधान सहित
1	2	3	4
1. विकास खण्ड: ग्रानी			
1.	ग्रानी	1239	7
2.	तलुणा	1173	7
2. विकास खण्ड: निरमण्ड			
1.	लोट	1085	7
2.	दुराह	1197	7
3.	भालसी	1512	7
4.	निरमण्ड	2246	9

वी0 के0 भटनागर,
उपायुक्त,
कुल्लू, जिला, कुल्लू।